वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2011-2012

1943 Lahore

1951 New Delhi

2012 Gurgaon

A JOURNEY OF COMMITMENT & TRUST...

1772 Branches, 1270 ATMs, 18.25 Million Customers and over 18,000 Employees

ओरियन्टल बैंक ऑफ़ कॉमर्स
(भारत सरकार का उपक्रम)
जहां प्रत्येक कर्मचारी प्रतिबद्ध है

ओ.बी.सी.

Oriental Bank of Commerce
(A Government of India Undertaking)
Where every individual is committed

विषय सूची
Contents

अध्यक्ष का संदेश Chairman's Message	01-08
निदेशक मंडल Board of Directors	09
शीर्ष प्रबन्ध वर्ग Top Management Team	10
एक नजर कार्यनिष्पादन पर Performance at a Glance	11
सूचना Notice	12-14
निदेशकों की रिपोर्ट Director's Report	15-27
प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण Management Discussion and Analysis	28-38
पूंजी पर्याप्तता के नए ढांचे के अनुसार बासेल II(पिलर 3) के अंतर्गत प्रकटन Disclosure under Basel II (Pillar 3) in terms of New Capital Adequacy Framework (NCAF)	39-53
कंपनी अभिशासन Corporate Governance	54-85
तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा Balance Sheet and Profit & Loss Account	86-87
अनुसूचियां Schedules	88-127
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditor's Report	128-130
नकदी प्रवाह विवरणी Cash Flow Statement	131-132
लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र Auditor's Certificate	133
ई-क्रेडिट अधिदेश फॉर्म E-Credit Mandate Form	139
प्रॉक्सी पर्ची/उपस्थिति पर्ची Proxy Slip/Attendance Slip	141-144

अध्यक्ष का संदेश / Chairman's Message

प्रिय शेयर धारक,

मैं आपके बैंक की अठारहवीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं और मार्च 2012 को समाप्त अवधि के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता हूँ।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तथा वित्तीय बाजार

वैश्विक समष्टि आर्थिक दशाओं में कुछ सुधार के संकेत दिखाई दिए। उपभोक्ता व्यय में सुधार हो रहा है। बेरोजगारी दर में गिरावट आई किंतु यह निरंतर प्रवृत्ति चिंताजनक बनी हुई है।

यूरो क्षेत्र में वित्तीय बाजारों पर आए तात्कालिक दबावों को बाह्य वाणिज्यिक उधार से दो दीर्घावधि पुनर्वित परिचालनों के जरिए एक ट्रिलियन यूरो से अधिक की तरलता के समावेश द्वारा काफी सीमा तक दूर किया गया किंतु यूरो क्षेत्र की ऋण समस्या का स्थायी समाधान किया जाना अभी शेष है। वर्ष 2011 की चौथी तिमाही में यूरो क्षेत्र की जीडीपी वृद्धि में 1.2 प्रतिशत की गिरावट आई। विशाल सार्वजनिक ऋण स्तर के कारण वित्तीय सुधार की आवश्यकता, ऋण दशाओं की सख्ती और बेरोजगारी की लगातार बढ़ती हुई दर से यूरो क्षेत्र में आर्थिक कार्यकलापों पर अधोमुखी दबाव पड़ा।

उभरती हुई एवं विकासशील अर्थव्यवस्था में भी विकास की गति धीमी रही जो मौद्रिक सख्ती तथा वैश्विक विकास में हुई गिरावट के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है। ब्रिक्स के मामले में, चीन में जीडीपी वृद्धि (वर्ष–दर–वर्ष) 2011 की पहली छमाही में 9.6 प्रतिशत के औसत से कम होकर 2012 की पहली तिमाही में 8.1 प्रतिशत रह गई। ब्राजील में 2011 की चौथी तिमाही में विकास में तीव्र गिरावट रही किंतु रूस तथा दक्षिण अफ्रीका में यह अपेक्षाकृत कम थी।

प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति के प्रमुख उपाय मार्च 2012 में उदार बने रहे। ब्रिक्स के मामले में ब्राजील तथा रूस में हेडलाइन मुद्रास्फीति मार्च में कम रही किंतु चीन में इसमें तेजी आई।

वर्ष 2012 के आरंभ से कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि हुई जिससे भौगोलिक–राजनीतिक चिंता तथा पर्याप्त वैश्विक तरलता प्रतिफलित हुई। कच्चे तेल का औसत भारतीय मूल्य इसी अवधि के दौरान प्रति बैरल 110 अमरीकी डॉलर से बढ़कर प्रति बैरल 119 अमरीकी डॉलर हो गया।

भारतीय आर्थिक परिदृश्य

2011–12 की तीसरी तिमाही के दौरान जीडीपी वृद्धि कम होकर 6.1% रह गई जबकि दूसरी तिमाही में यह 6.9% और 2010–11 की तदनुरूपी तिमाही में 8.3% थी। इसका मुख्य कारण औद्योगिक विकास में हुई गिरावट है जो दूसरी तिमाही के 2.8% से कम होकर तीसरी तिमाही में 0.8% रह गया। सेवा क्षेत्र अपेक्षाकृत बेहतर रहा (इसमें वर्ष 2011–12 की दूसरी व तीसरी दोनों तिमाहियों में 8.7% की वृद्धि हुई)। कुल मिलाकर अप्रैल–दिसंबर, 2011 के दौरान जीडीपी वृद्धि

Dear Shareholders,

I have great pleasure to welcome all of you to the Eighteenth Annual General Meeting of your Bank and present the Annual Report of your Bank for the period ended March 2012.

Global Economic Scenario & Financial Markets

Global macroeconomic conditions have shown signs of modest improvement. Consumer spending has been improving. While the unemployment rate has been trending down, concerns remain about the sustainability of this trend.

The immediate pressures on the financial markets in the euro area have been alleviated to a large extent by the ECB injecting liquidity of more than one trillion euro through two long-term refinancing operations. However, a sustainable solution to the euro area debt problem is yet to emerge. GDP growth in the euro area declined by 1.2 per cent in Q4 of 2011. The fiscal correction necessitated by the large public debt levels, tightening of credit conditions and persistently high unemployment have added to the downward pressure on the economic activity in the euro area.

Growth also slowed down in Emerging & Developing Economies (EDEs) reflecting the combined impact of monetary tightening and slowdown in global growth. As regards BRICS, GDP growth (y-o-y) in China declined from an average of 9.6 per cent in the first half of 2011 to 8.1 per cent in Q1 of 2012. The slowdown in growth was also sharp in Brazil in Q4 of 2011, but relatively modest in Russia and South Africa.

Headline measures of inflation in major advanced economies continued to soften in March 2012. Amongst the BRICS, while headline inflation moderated in Brazil and Russia in March, it edged up in China.

International crude oil prices have surged since the beginning of 2012 reflecting both geo-political concerns and abundant global liquidity. The price of the average Indian basket of crude increased from US$ 110 per barrel to US$ 119 per barrel during the same period.

Indian Economic Scenario

GDP growth moderated to 6.1 per cent during Q3 of 2011-12 from 6.9 per cent in Q2 and 8.3 per cent in the corresponding quarter of 2010-11. This was mainly due to moderation in industrial growth from 2.8 per cent in Q2 to 0.8 per cent in Q3. The services sector held up relatively well (with growth being 8.7 per cent in both Q2 and Q3 of 2011-12). Overall, GDP growth during April-December

में काफी गिरावट आई और यह पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि में 8.1% से कम होकर 6.9% रह गई। वर्ष के अंत में अर्थात् 31 मार्च 2012 को जीडीपी 6.9% रही।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि 2011–12 (अप्रैल–फरवरी) के दौरान पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के 8.1% के मुकाबले 3.5% पर कम रही। उपभोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार जहां पूंजीगत माल तथा मध्यवर्ती वस्तु क्षेत्र में क्रमशः 1.8% तथा 0.9% की ऋणात्मक वृद्धि दर्ज हुई, वहीं उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु क्षेत्र में वृद्धि कम होकर 2.7% पर रही। ये प्रवृत्तियां दर्शाती हैं कि चौथी तिमाही में गतिविधि का विस्तार जीडीपी के अग्रिम प्राक्कलनों में बताई गई 6.9% से कम रहा होगा।

प्रमुख थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति जो अप्रैल–नवंबर 2011 के दौरान 9 प्रतिशत से अधिक रही, मार्च 2012 के अंत तक गिरकर 6.9 प्रतिशत हो गई जो रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत के प्रदर्शी प्राक्कलन के अनुरूप थी। फिर भी दिसंबर–जनवरी में मुद्रास्फीति में गिरावट प्रमुखतया खाद्य पदार्थों के मूल्य में आई कमी के कारण थी, फरवरी–मार्च में यह गिरावट प्रमुखतया मूलभूत गैर खाद्यान्न विनिर्मित उत्पादों की स्फीति के कारण हुई जो पहली बार दो वर्षों के बाद 5 प्रतिशत से कम रही।

मुद्रा आपूर्ति (एम–3) की वृद्धि जो वित्तीय वर्ष 2011–12 के आरंभ में 17 प्रतिशत पर थी और जो मीयादी जमाराशियों में सुदृढ़ वृद्धि को दर्शाती है, वर्ष के दौरान मार्च, 2012 के अंत तक कम होकर लगभग 13 प्रतिशत हो गई जो रिजर्व बैंक की 15.5 प्रतिशत के मार्गदर्शी प्राक्कलन से कम है जिससे वर्ष के अधिकांश समय में मूल तरलता में सख्ती तथा ऋण की मांग कम बनी रही।

गैर खाद्यान्न ऋण में वृद्धि 2011–12 के आरंभ के 22.1 प्रतिशत से कम होकर फरवरी 2012 तक 15.4 प्रतिशत हो गई जो धीमी आर्थिक गतिविधियों को दर्शाती है। तथापि मार्च में यह बढ़कर 16.8 प्रतिशत हो गई जो 16 प्रतिशत के प्रदर्शी अनुमान में अधिक है। फरवरी 2012 तक के विभाजित आंकड़ों से पता चलता है कि ऋण वृद्धि में कमी व्यापक रूप से कृषि, उद्योग, सेवाओं तथा वैयक्तिक ऋणों पर आधारित थी। वर्ष के अंत में गैर खाद्यान्न बैंक ऋणों में आई तेजी कृषि व उद्योग को ऋण प्रवाह में वृद्धि का परिणाम थी।

वर्ष 2011–12 के दौरान प्रमुख अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मॉडल जमा दरें 45 आधार अंक और उनकी मॉडल आधार दरें 125 आधार अंक बढ़ गईं। सार्वजनिक क्षेत्र के 5 प्रमुख बैंकों की भारित औसत ऋण दरें मार्च 2011 के 11.0 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2011 में 12.8 प्रतिशत हो गईं और फरवरी 2012 में लगभग इसी स्तर पर बनी रहीं, जो इस बात को दर्शाता है कि बैंक की ऋण दरें नीतिगत दर संकेत के लगभग अनुरूप थी।

वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए भावी परिदृश्य

वित्तीय वर्ष 2012–13 के केंद्रीय बजट में, बासेल–III के प्रतिमानों को ध्यान में रखते हुए, सरकारी क्षेत्र के सभी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को 158.80 बिलियन रुपये की पूंजी आबंटित की गई है। यह वित्तीय वर्ष 2012 में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में लगाई गई 120 बिलियन रुपये की राशि के अतिरिक्त है।

किसानों को ऋण प्रवाह का लक्ष्य वित्तीय वर्ष के 4750 बिलियन से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2013 में 5750 बिलियन कर दिया गया है। किसानों को 7 प्रतिशत के ब्याज पर लघु अवधि के फसल ऋण मुहैया कराने की मौजूदा ब्याज सहायता योजना वित्तीय वर्ष 2013 तक बढ़ा दी गई है। किसान क्रेडिट कार्ड को एक स्मार्ट कार्ड बनाने के लिए, जिसका प्रयोग एटीएम पर भी किया जा सके, किसान क्रेडिट कार्ड योजना में संशोधन किया जाएगा।

2013–16 के लिए भावी परिदृश्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कुछ बहाली को दर्शाता है, जिससे इन देशों में मंदी से पूर्व की 2 प्रतिशत से कुछ अधिक के विकास की प्रवृत्ति लौट आएगी।

धीमी वृद्धि के इस वातावरण में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है– उन लाखों व्यक्तियों के लिए, जो अपने जीवन स्तर को बनाये रखने के लिए उपयुक्त वेतन वाली नौकरियों की तलाश में है, रोजगार के अवसर समाप्त किए बिना उत्पादकता को बढ़ाना।

भारतीय बैंकिंग की प्रमुख घटनाएं

- **घरेलू आर्थिक प्रणाली मजबूत रही**, यद्यपि हाल ही में स्थिरता के प्रति जोखिम बढ़ा है।
- दबाव परीक्षण से भी प्रकट होता है कि **बैंक की पूंजी पर्याप्तता, भारी दबावपूर्ण वातावरण में भी नियामक अपेक्षाओं से अधिक रही।**
- भारतीय रिजर्व बैंक के प्रणाली जोखिम सर्वेक्षण के निष्कर्ष से सिस्टम के **स्थायित्व की पुष्टि** होती है।

वर्ष 2011–12 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में 17.4% की वृद्धि हुई और ये 61,124.8 बिलियन रुपये के स्तर तक पहुंच गई जबकि इसी अवधि के दौरान ऋण प्रवाह में 19.3 % की वृद्धि हुई और ये 47,047.9 बिलियन रुपये के स्तर तक पहुंच गया। मार्च, 2012 के अंत में स्थूल मुद्रा (एम–3) 65,041.2 बिलियन रुपये रही और इसमें वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 13.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं

मैं वर्ष 2011–12 के लिए आपके बैंक के कार्यनिष्पादन की विशेषताएं सहर्ष प्रस्तुत करता हूं:–

- आपके बैंक का कुल कारोबार पिछले वर्ष के 2,35,893 करोड़ रुपये के मुकाबले 31 मार्च, 2012 को 2,69,015 करोड़ रुपये रहा और इसमें 33,122 करोड़ रुपये (14.04% की वृद्धि) की वृद्धि हुई। मार्च, 2012 के अंत में, जमा राशियां और कुल अग्रिम 1,55,965 करोड़ रुपये तथा 1,13,050 करोड़ रुपये रहे और इनमें क्रमशः 12.16% और 16.74 % की वृद्धि हुई।
- आपके बैंक का ऋण जमा अनुपात मार्च 2011 के 69.73% के मुकाबले मार्च 2012 में 72.68% रहा। बैंक का अग्रिम संविभाग पर्याप्त व्यापक तथा संतुलित है तथा अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- आपके बैंक के प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिम समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) के 40% के निर्धारित प्रतिमान के मुकाबले 42.26% रहे। मूल्य के अनुसार प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों में 4,876 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई (13.68% की वृद्धि) और ये मार्च 2011 के 35,651 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2012 के अंत में 40,527 करोड़ रुपये हो गए।
- कृषि क्षेत्र के कुल अग्रिम 15,411 करोड़ रुपये रहे जिसमें से प्रत्यक्ष कृषि के अग्रिम 11,860 करोड़ रुपये थे। कुल कृषि अग्रिमों में 21.15% की वृद्धि हुई। प्रत्यक्ष कृषि में 33.44% की वृद्धि हुई।
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई) को बैंक का एक्सपोजर 15,844 करोड़

2011 slowed significantly to 6.9 per cent from 8.1 per cent in the corresponding period of the previous year. The GDP at the year end i.e. 31st March 2012 stood at 6.9%.

Growth in the index of industrial production (IIP) decelerated to 3.5 per cent during 2011-12 (April-February) from 8.1 per cent in the corresponding period of the previous year. In terms of use-based classification, while capital goods and intermediate goods sectors registered negative growth of 1.8 per cent and 0.9 per cent, respectively, the growth of the consumer durables sector decelerated to 2.7 per cent. These trends suggest that activity may have expanded slower than 6.9 per cent in Q4 implied in the advance estimates of GDP.

Headline wholesale price index (WPI) inflation, which remained above 9 per cent during April-November 2011, moderated to 6.9 per cent by end-March 2012, consistent with the Reserve Bank's indicative projection of 7 per cent. However, while the moderation in inflation in December-January owed largely to softening of food prices, the moderation in February-March was largely driven by core non-food manufactured products inflation, which fell below 5 per cent for the first time after two years.

Money supply (M3) growth, which was 17 per cent at the beginning of the financial year 2011-12, reflecting strong growth in time deposits, moderated during the course of the year to about 13 per cent by end-March 2012, lower than the Reserve Bank's indicative trajectory of 15.5 per cent, mirroring both tightness in primary liquidity and lower credit demand during most part of the year.

Non-food credit growth decelerated from 22.1 per cent at the beginning of 2011-12 to 15.4 per cent by February 2012 reflecting slower economic activity. However, it picked up to 16.8 per cent in March, higher than the indicative projection of 16 per cent. Disaggregated data up to February 2012 showed that the deceleration in credit growth was broad-based across agriculture, industry, services and personal loans. The pick-up in non-food bank credit towards the year-end was on account of increased credit flow to agriculture and industry.

During 2011-12, modal deposit rates of major scheduled commercial banks (SCBs) increased by 45 basis points (bps), and their modal base rates by 125 bps. Weighted average lending rates of five major public sector banks increased from 11.0 per cent in March 2011 to 12.8 per cent by September 2011 and remained broadly at that level in February 2012, suggesting that bank lending rates were broadly following the policy rate signal.

Outlook for FY 2012-13

In the Union Budget for FY 2012-13, a sum of Rs.158.80 billion capital has been allocated to all Public Sector Banks and financial institutions for FY 2012 , keeping in view Basel –III norms. This is in addition to the infusion of Rs 120 billion in PSBs in FY 2012.

The target for credit flow to farmers has been raised from Rs 4750 billion in FY12 to Rs. 5750 billion in FY13. The existing interest subvention scheme of providing short term crop loan to farmers at 7% interest has been extended to FY13. Kisan Credit card scheme will be modified to make KCC a smart card which could be used at ATMs

For 2013-2016, the outlook suggests some recovery in advanced economies, bringing these countries back to the pre-recession growth trend of a little more than 2%.

The greatest challenge for the global economy in this slow growth environment is to raise productivity without losing job opportunities for the millions who are looking for reasonably paid jobs to support their living standards.

Developments in Indian Banking

- The **domestic financial system remained robust,** though risks to stability increased in the recent period.
- Stress tests also revealed that banks' **capital adequacy remained above regulatory requirements,** even under severe stress scenarios.
- Findings of RBI's systemic risk survey (SRS) **reaffirmed the stability** of the system.

Aggregate Deposits of the Scheduled Commercial Banks (SCBs) grew by 17.4% during the year 2011-12 to a level of Rs. 61,124.8 billion while credit flow achieved a growth of 19.3% during the same period, to reach a level of Rs. 47,047.9 billion. The Broad Money (M3) as at end March 2012 was Rs.65,041.2 billion, with a growth of 13.0% on year-on-year basis.

Performance Highlights of the Bank

I have immense pleasure in sharing with you, your Bank's performance for the year 2011-12:-

- The Total Business Mix of your Bank stood at Rs.2,69,015 crore as on March 31, 2012 as against Rs.2,35,893 crore in the previous year reflecting an increase of Rs.33,122 crore (growth of 14.04%). As at end-March 2012, Deposits and Gross Advances stood at Rs.1,55,965 crore and Rs.1,13,050 crore, registering a growth of 12.16% and 16.74%, respectively.
- The CD ratio of your Bank stood at 72.68 % as of March 2012 as against 69.73% as of March 2011. The Advances portfolio of the Bank is well diversified, balanced and the credit needs of productive sectors of the economy have been met.
- The Priority Sector (PS) Advances of your Bank constituted 42.26% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the requirement of 40%. In value terms, PS Advances increased by Rs.4,876 crore (a growth of 13.68%) to reach a level of Rs.40,527 crore as at end March 2012 from Rs.35,651 crore as at end March 2011.
- Total advances to Agriculture Sector stood at Rs.15,411 crore, out of which advances to Direct Agriculture was Rs.11,860 crore. Total Agriculture Advances grew by 21.15%. Direct Agriculture grew by 33.44%.
- Bank's exposure to Micro and Small Enterprises (MSE)

रुपये से बढ़कर 17,978 करोड़ रुपये हो गया और इसमें 2011–12 के दौरान 13.47% की वृद्धि हुई।

- शिक्षा ऋण 1102 करोड़ रुपये से बढ़कर 1191 करोड़ रुपये हो गए और इसमें वर्ष 2011–12 के दौरान 8.04% की वृद्धि दर्ज हुई।
- मार्च 2012 के अंत में, बैंक का परिचालन लाभ 3141 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान निवल ब्याज मार्जिन 4,178 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,216 करोड़ रुपये हो गया।

नवोन्मेष कार्य (2011–12)

कारोबार के नवोन्मेष कार्य

- बैंक ने ई–स्टैंपिंग सेवाओं के लिए अधिकृत वसूली केंद्र (एसीसी) के रूप में कार्य करने हेतु 27.07.2011 को स्टॉक होल्डिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एसएचसीआईएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सेवा गुजरात की 8 शाखाओं में और कर्नाटक की 1 शाखा में शुरू हो चुकी है।
- हमारे बैंक ने 14 सितंबर, 2011 को एसबीआई कार्ड्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और 22 अक्टूबर, 2011 को को–ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड शुरू किए। 31.03.2012 को हमारी शाखाओं द्वारा 8,550 कार्डों का कार्य आरम्भ किया गया, जिनमें से 5,910 कार्ड जारी किए गए थे।
- हमारे बैंक ने 3 अक्टूबर, 2011 को ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और ओरियंटल बैंक मेडिक्लेम पॉलिसी शुरू की। 31.10.2011 से 31.03.2012 की अवधि के दौरान बैंक द्वारा 9,976 पॉलिसी बेची गईं।

आईटी नवोन्मेष

- नेट बैंकिंग ग्राहकों के लिए ऋण की किस्तों का ऑन लाइन भुगतान करने की सुविधा शुरू की गई।
- आय मान्यता तथा खातों के वर्गीकरण के प्रतिमानों के अनुसार खातों का सिस्टम आधारित वर्गीकरण लागू किया गया।
- नेट बैंकिंग ग्राहकों के लिए लॉगिन तथा लेन–देन पासवर्ड के ऑनलाइन जनरेशन की सुविधा शुरू की गई।
- ऑनलाइन लेन–देनों के लिए एसएमएस आधारित ट्रैकर आईडी तथा नेट बैंकिंग ग्राहकों द्वारा यूजर आईडी डालने पर स्क्रीन पर व्यक्तिगत संदेश तथा छवि की पहचान करने के बाद पासवर्ड डालने जैसे सुरक्षा के उपाय लागू किए गए।
- महाराष्ट्र सरकार के लिए वैट तथा केन्द्रीय बिक्री कर का ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा नेट बैंकिंग ग्राहकों के लिए शुरू की गई।
- बैंक की सभी वेबसाइट की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 256–बिट वेरीसाइन एक्सटेंडेड वेलिडेशन (इवी) एसएसएल सर्टिफिकेट लागू किया गया।
- चेन्नै में चेक ट्रंकेशन पद्धति (सीटीएस) लागू की गई।
- सरकारी पेंशन के केंद्रीकृत भुगतान (सीपीपीसी) के लिए सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन लागू किया गया।
- बैंक ने खरीद के लिए ई टेंडरिंग तथा ऑनलाइन रिवर्स नीलामी सुविधा शुरू की।

increased to Rs.17,978 crore from Rs.15,844 crore, thus growing by 13.47% during 2011-12.

- Loans for Education increased to Rs.1,191 crore from Rs.1102 crore, thus recording a growth of 8.04% during the year 2011-12.
- Operating Profit of the Bank as at end March 2012 stood at Rs. 3,141 Crore. During the FY 2011-12, Net Interest Income (NII) increased to Rs. 4,216 crore from Rs. 4,178 crore.

New Initiatives (2011-12)

Business Initiatives

- The Bank signed MoU with Stock Holding Corporation of India Ltd. (SHCIL) on 27.07.2011 to act as Authorized Collection Centre (ACC) for e–Stamping services. It has already started in 8 branches of Gujarat and 1 branch of Karnataka.
- Our Bank signed an MoU with SBI Cards on 14th Sep' 2011 and launched the Co-Branded Credit Cards on 22nd Oct' 2011. As on 31.03.2012, 8550 cards are sourced by our branches out of which 5910 cards were issued.
- The Bank signed an MoU with Oriental Insurance Company on 3rd Oct' 2011 and launched the Oriental Bank Mediclaim Policy. During the period from 03.10.2011 to 31.03.2012, 9976 policies have been sold by the Bank.

IT Initiatives

- Launched the facility for net banking customers to pay Loan installments online.
- System driven classification of accounts as per Income Recognition and Accounts Classification (IRAC) norms has been implemented.
- Facility launched for Online Generation of Login and Transaction passwords for net banking customers.
- Security features like SMS based Tracker-ID for online transactions and entering password by Net Banking customers after recognizing the personalized image and personalized text appearing on screen on entering the user ID, have been implemented.
- Launched facility for Net Banking customers to make online payments for VAT and Central Sales Tax for Govt. of Maharashtra.
- 256-bit VeriSign Extended Validation (EV) SSL certificate has been implemented to enhance security of Bank's all websites.
- Cheque Truncation System (CTS) has been extended in Chennai.
- Software solution for centralized payment of Govt. pension (CPPC) has been implemented.
- Bank has implemented e-Tendering and online Reverse Auction facilities for procurements.

- एटीएम के जरिए आय कर के भुगतान की सुविधा शुरू की गई।
- पीओएस सुविधा, एसएमएस अलर्ट तथा मोबाइल बैंकिंग सेवाओं का एटीएम पर पंजीकरण करने और पंजीकरण बंद करने की सुविधा शुरू की गई।

नए कारपोरेट कदम 2012–13

- 20 महाप्रबंधकों में से छह महाप्रबंधकों का प्रादेशिक अध्यक्ष के रूप में स्थापन तथा शेष को प्रधान कार्यालय में तैनात करके एक समरूप संगठनात्मक ढांचा अपनाना।
- बड़ी कारपोरेट शाखाओं को युक्तिसंगत बनाया गया और बड़े मूल्य के उधार खातों को इन शाखाओं में अंतरित किया गया। अब से 15 बड़ी कारपोरेट शाखाएं 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार संभालेगी और सीधे प्रधान कार्यालय को रिपोर्ट करेंगी।
- 7 प्रादेशिक कार्यालयों का पुनर्गठन। उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड (आगरा, गाजियाबाद, लखनऊ, बरेली तथा देहरादून) में 5 और राजस्थान (जयपुर तथा श्रीगंगानगर) में 2 तथा जोधपुर, मेरठ एवं वाराणसी में 3 नए प्रादेशिक कार्यालयों का गठन।
- प्रधान कार्यालय में वर्टिकल द्वारा रिटेल आस्तियों/रिटेल देयताओं तथा वैकल्पिक डिलिवरी चैनल पर विशेष ध्यान केंद्रित करना।

बेहतर ग्राहक सेवा के लिए प्रोद्यौगिकी

- आपका बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे कुछ बैंकों में से है जहां 100% कारोबार अत्यंत तीव्र तथा अत्याधुनिक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के जरिए किया जाता है, जिसका आईएसओ 27001 सर्टिफिकेशन है। ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं सुगम रूप से देने और किसी भी आपदा की स्थिति में कारोबार और शून्य डाटा हानि सुनिश्चित करने के लिए त्रिआयामी डाटा सेंटर सेटअप बनाया गया है।
- मार्च, 2012 के अंत में , आपके बैंक के 1270 एटीएम और 32.71 लाख का कार्ड आधार था। प्रतिदिन 1.2 लाख से अधिक लेनदेन बैंक के एटीएम के जरिए किए जा रहे हैं।
- आपके बैंक की कारपोरेट वेबसाइट समसामयिक है और हमारी कारपोरेट छवि के अनुरूप इसे अधिक सूचनाप्रद, आकर्षक, सूरूचिपूर्ण और प्रयोक्ता मैत्रीपूर्ण बनाने के लिए इसके डिजाइन में परिवर्तन किया गया है। मूल्यवर्धित लिंक जैसे एनएसई मार्किट ट्रैकर, एनएसई विदेशी मुद्रा कारोबार ट्रैकर, बीएसई सेंसेक्स, एनएसई निफ्टी, खेलकूद अपडेट तथा बैंक द्वारा बिलों के भुगतान की स्थिति इत्यादि को साइट में शामिल किया गया है। वेबसाइट की सुरक्षा वेरीसाइन से 256 बिट एसएसएल इंक्रिप्शन लागू करके की गई है।
- आपके बैंक की इंटरनेट बैंकिंग सुविधा का व्यापक प्रयोग किया जाता है और कई अतिरिक्त विशेषताएं लागू करके इसे अधिक प्रभावी तथा सुरक्षित बनाया गया है जैसे ऋण की मासिक किश्तों का आनलाइन भुगतान, वैट तथा बिक्री कर का भुगतान, प्रयोक्ता आदि द्वारा पासवर्ड सृजित करना तथा कई सुरक्षा उपाय। वर्ष के दौरान जोड़े गए 93,000 नए ग्राहकों से इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक आधार 4.46 लाख हो गया है और औसतन दैनिक हिट 74,000 तक पहुंच गए हैं।
- मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के जरिए शेष संबंधी पूछताछ, अंतर बैंक निधि अंतरण, एनईएफटी के जरिए अंतर बैंक निधि अंतरण तथा आईएमपीएस

- Facility of payment of Income Tax through ATMs has been launched.
- Launched features on ATMs for registration and deregistration for POS facility, SMS Alerts and Mobile Banking Services

New Corporate Initiatives 2012-13

- Change to a flat Organizational Structure with deployment of six General Managers out of 20 as Regional Heads and remaining deployed at Head Office.
- Rationalization of Large Corporate Branches and transfer of large value accounts to these LCBs. Henceforth 15 LCBs will handle over Rs.50000 crore business and report directly to Head Office.
- Reconstitution of 7 Regional Offices. 5 in Uttar Pradesh/Uttarakhand (Agra, Ghaziabad, Lucknow, Bareilly and Dehradun) and 2 in Rajasthan (Jaipur and Sriganganagar) and creation of 3 new Regional Offices at Jodhpur, Meerut and Varanasi.
- Verticals at Head Office to focus on Retail Assets/Retail Liabilities and Alternate Delivery Channels.

Technology for Better Customer Service

- Your Bank is amongst the few Public Sector Banks where 100% of the business is routed through robust and state of the art Core Banking Solution, which has ISO 27001 Certification. For offering one stop seamless services to customers as well as to ensure business continuity and zero data loss in case of any disaster situation a three way data center setup has been created.
- As at the end of March 2012, your Bank has got ATM base of 1270 and card base of 32.71 lakh. More than 1.2 lakh transactions are happening per day through Bank's ATMs.
- Your Bank's Corporate Website is contemporary and its design has been further changed in line with our corporate image to make it more informative, appealing, attractive and user friendly. Value added links like NSE Market Tracker, NSE Foreign Exchange Tracker, BSE Sensex, NSE Nifty, sports update and status of payments of bills by the Bank etc. have been incorporated in the site. The website has also been secured by implementing 256 bits SSL encryption from VeriSign.
- Your Bank's widely used Internet Banking facility has been further enriched and made more secure by implementation of various additional features such as online payment of loan EMI, payment of VAT and Sales Tax, generation of passwords by users etc. and several security features. With addition of 93,000 new customers during the year, the Internet Banking customer base has reached to 4.46 lakh and average daily hits to 74,000.
- Mobile Banking Services are offered facilitating balance inquiry, Intra-Bank funds transfer, Inter-Bank funds transfer

आदि के जरिए तत्काल मोबाइल से मोबाइल पर निधि अंतरण आदि।

अंतरराष्ट्रीय पहचान

आपके बैंक ने 30.09.2009 को दुबई में अपना पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोलकर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में प्रवेश किया। दुबई में हमारा प्रतिनिधि कार्यालय अनिवासी भारतीयों तथा भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत में कारोबारी संभावनाओं के बारे में सहायता देता है और बैंक के उत्पादों व सेवाओं की मार्किटिंग करता है।

वित्तीय समावेशन कार्यक्रम

बैंक ने 2000 से अधिक की जनसंख्या वाले सभी आबंटित 569 गांवों में विभिन्न मॉडल अर्थात शाखा (23 गांव), मोबाइल शाखा (54 गांव) तथा कारोबार प्रतिनिधि मॉडल (492 गांव) के द्वारा वित्तीय समावेशन योजना सफलता पूर्वक पूरी कर ली है।

वर्ष के दौरान बैंक ने कुल 4,38,314 नो फ्रिल/अन्य बचत खाते खोले और 569 एफआईपी आवंटित गांवों में आई टी समर्थित बैंकिंग सेवाएं देने के लिए 1,59,207 बायोमीट्रिक कार्ड जारी किए।

इसके अतिरिक्त बैंक 6 जिलों अर्थात् अमृतसर, मुक्तसर, गुरदासपुर (पंजाब) श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (राजस्थान) तथा जींद (हरियाणा) में सामाजिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय लाभों के संवितरण में भागीदार है। सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभों के संवितरण के लिए कुल 2,75,766 लाभग्राहियों को बायोमीट्रिक कार्ड/स्मार्ट कार्ड जारी किए गए हैं।

बैंक ने पंजाब के 31 एफआईपी आवंटित गांवों में जल शोधन पद्धति लगाई है ताकि गांवों को सुरक्षित पेय जल मिल सके। इसके अलावा एफआईपी गांव संपेरा, जिला सोनीपत, हरियाणा में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को कारपोरेट सामाजिक दायित्व कार्यकलाप के अंतर्गत रिक्शा दान किए गए।

बैंक ने गांव 24 एलएलडब्ल्यू (बी) जिला हनुमानगढ़, राजस्थान में सुलभ शौचालय (सार्वजनिक शौचालय) बनवाए हैं। देहरादून क्षेत्र के एफआईपी आबंटित गांवों में विभिन्न स्थानों पर आठ सोलर स्ट्रीट लाईट लगाई गई हैं।

कंपनी अभिशासन

आपका बैंक उद्योग की श्रेष्ठ पद्धतियों को अपनाकर, कंपनी अभिशासन के सर्वोच्च मानदंडों को कायम रखे हुए हैं। बैंक सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित कंपनी अभिशासन संबंधी दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहा है। बैंक की कंपनी अभिशासन नीतियों में हमारे ग्राहकों जिनमें जमा कर्ता, ऋण दाता, कर्मचारी एवं विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, के प्रति मंडल के उत्तरदायित्व और दिए गए निर्णयों के महत्व को स्वीकार किया गया है।

कंपनी कार्य मंत्रालय के 'कंपनी अभिशासन में हरित नवोन्मेष' और सूचीकरण प्रावधान के अनुरूप उन सभी शेयरधारकों को वार्षिक रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी भेज दी गई हैं जिन्होंने हमारे ई–मेल पते पर रजिस्ट्रेशन कराया है।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में आपके बैंक ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) स्थापित करने हेतु 09.12.2005 को ओबीसी ग्रामीण विकास ट्रस्ट के नाम से एक ट्रस्ट की स्थापना की। इस ट्रस्ट ने पांच जिलों

through NEFT and instant Mobile to Mobile funds transfer through IMPS etc.

International Presence

Your Bank made its foray in International arena on 30.03.2009 with the opening of its first representative office at Dubai. Our representative office at Dubai has been extending assistance to NRIs and PIOs about business opportunities in India and marketing the Bank's products and services.

Financial Inclusion Program

Bank has successfully rolled out Financial Inclusion Plan in all the 569 allotted villages with population more than 2,000 through different models i.e. Branch (23 villages), Mobile Branch (54 villages) and Business Correspondent model (492 villages).

During the year, the bank has opened a total number of 4,38,314 No-Frill/ Other savings accounts and issued 1,59,207 Bio-metric cards for extending IT enabled banking services in 569 FIP allotted villages.

Further, Bank is also participating in disbursal of financial benefits under Social Welfare Schemes in 6 districts namely Amritsar, Muktsar, Gurdaspur (Punjab), Sriganganagar, Hanumangarh (Rajasthan) and Jind (Haryana). A total number of 2,75,766 beneficiaries have been issued Bio-metric cards/ Smart cards for distribution of benefits of Social Welfare schemes.

Bank has provided Water Purifier System in 31 FIP allotted villages in Punjab to provide safe drinking water to villagers. Further, Tricycle to physically handicapped person has been donated under CSR activity in FIP village Sanpera, district Sonepat, Haryana.

The Bank got constructed Sulabh Shouchalaya (Public Toilet) at Village 24 LLW (B) Distt. Hanumangarh, Rajasthan. Eight Solar Street Lights were installed at various points in FIP allotted villages in Dehradun Region.

Corporate Governance

Your Bank has been maintaining the highest standards of Corporate Governance by adopting best industry practices. The Bank has been adhering to the corporate governance guidelines laid down by SEBI and RBI. Bank's Corporate Governance policies recognize the accountability of the Board and the impact of its decisions on all our constituents including shareholders, depositors, lenders, customers, employees and the Regulatory authorities.

In line with Ministry of Corporate Affairs "Green Initiative in Corporate Governance" and Listing provisions, soft copies of Annual Report have been sent to all those shareholders who have registered their e-mail addressees with us.

Corporate Social Responsibility

As a part of its Corporate Social Responsibility, your Bank set up a Trust in the name of 'OBC Rural Development Trust' on 09.12.2005 for setting up of Rural Self Employment Training

अर्थात जयपुर, श्रीगंगानगर, फिरोजपुर एवं देहरादून में प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए है। ग्रामीण बेरोजगार युवकों का कौशल बढ़ाने के लिए उन्हें स्वरोजगार सृजित करने वाले कार्यों जैसे कंप्यूटर हार्डवेयर एसेम्बलिंग तथा रखरखाव, मोबाइल मरम्मत, बेसिक कम्प्यूटर, हस्तशिल्प, टेलरिंग, ड्रेस डिजाइनिंग, सिलाई एवं कढ़ाई, फुलकारी, लघु उद्योग स्तर पर कृषि खाद्य प्रोसेसिंग आदि का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ट्रस्ट के कार्यों में किसानों को फसल विविधीकरण, स्व–सहायता समूहों का गठन, कौशल–विकास, उद्यमिता विकास तथा ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना भी शामिल है। आरंभ से लेकर अब तक कुल 753 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनसे 25,848 उम्मीदवारों को लाभ पहुंचा है।

ग्राहक सेवा

हमारे बैंक के अपने ग्राहकों के साथ दीर्घ तथा स्थायी संबंध हैं जो वर्षों के विकास पर बने हैं और इस आशा पर आधारित हैं कि बैंक उनके सपनों को व्यावसायिक रूप से पूरा रखने के लिए सदैव तैयार है। हम अपने सम्मानित ग्राहकों को श्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं, उत्पाद देने और उत्कृष्टता की परंपरा निभाने के लिए वचनबद्ध हैं। बैंक अपने रिटेल उत्पादों पर रियायत देकर ग्राहकों को उनकी निष्ठा के लिए लाभान्वित करता रहा है।

जोखिम प्रबंधन /बासेल II का कार्यान्वयन

मैं सहर्ष सूचित करता हूं कि आपका बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी नए पूंजी पर्याप्तता ढांचे के मार्गनिर्देशों के अनुसार बासेल II अनुपालक है और बैंक की पूंजी में जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) 12.69% रहा जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्दिष्ट 9% की न्यूनतम अपेक्षा से काफी अधिक है (6% के न्यूनतम निर्धारित स्तर के मुकाबले 10.12% की टीयर–I पूंजी)। बैंक ने पर्याप्त जोखिम प्रबंधन पद्धति लागू की है जिसकी भारतीय रिजर्व बैंक से समय–समय पर प्राप्त मार्ग निर्देशों के अनुसार आवधिक तौर पर समीक्षा की जाती है तथा अद्यतन किया जाता है।

लाभांश

आपके बैंक की लाभांश घोषित करने की नीति शेयर धारकों को उचित प्रतिफल देने तथा स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाये रखने और भावी विकास में सहयोग करने हेतु लाभ के पुनर्निवेश पर आधारित है। तदनुसार आपके निदेशक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए प्रति शेयर 7.90 रुपये (79%) का लाभांश सहर्ष प्रस्तावित करते हैं।

भावी योजना

आपका बैंक सभी प्रमुख वित्तीय मानदंडों पर सुदृढ़ बना रहा जैसा कि ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म पर पिछले वर्षों में किए गए इसके सतत कार्यनिष्पादन से स्पष्ट होता है। प्रतिबद्ध सामूहिक कार्यबल के साथ 18.25 मिलियन का सुदृढ़ ग्राहक आधार इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

2012–13 में, सामान्य मानसून होने की आशा के साथ कृषि में वृद्धि प्रवृत्ति के लगभग अनुरूप रहने का पूर्वानुमान है। ऐसी आशा है कि उद्योग का प्रदर्शन पिछले वर्ष के मुकाबले बेहतर रहेगा क्योंकि उद्योग के अग्रणी संकेतक आईआईपी वृद्धि में परिवर्तन का संकेत देते हैं। 2012–13 के लिए वैश्विक परिदृश्य तथा घरेलू वृद्धि परिदृश्य 2011–12 के मुकाबले बेहतर रहने की

Institutes (RSETIs) and taking up other developmental activities. The Trust has established training Institutes in five Districts, viz., Jaipur, Sriganganagar, Ferozepur, Dehradun and Palwal. Free trainings on skill development to rural unemployed youth are being imparted for self-employment generating activities such as Computer Hardware assembling and maintenance, Mobile repairing, Basic computer, Handicraft, Tailoring, Dress designing & stitching, Embroidery, Phulkari, small scale agri food processing, etc. The activities of the Trust also cover education to farmers in crop diversification, formation of Self Help Groups, Skill improvement, Entrepreneurship development and promoting use of non-conventional source of energy. Since inception a total of 753 training programmes have been conducted benefiting 25,848 candidates.

Customer Service

Your Bank shares with its customers a long and enduring relationship that is built over the years on trust and an abiding hope that the Bank will always partner for the fulfillment of their dreams in a professional manner. We are committed for bringing to our esteemed customers the best of banking services, products and a tradition of excellence. The bank has been rewarding the loyalty of customers by offering attractive Retail loan pricing for its products.

Risk Management/Implementation of BASEL II

I am happy to inform you that your Bank is Basel II compliant in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by the Reserve Bank of India and Capital to Risk-Weighted Assets Ratio (CRAR) of the Bank stood at 12.69% well above the minimum requirement of 9% as stipulated by RBI (Tier I of 10.12% against the minimum prescribed level of 6%). The Bank has put in place adequate Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of guidelines received from Reserve Bank of India from time to time.

Dividend

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the shareholders as well as to plough back sufficient profits for maintaining a healthy capital adequacy ratio and supporting future growth. Accordingly, your Directors are happy to propose a dividend of Rs. 7.90 per share (79%) for the year ended 31st March 2012.

Looking Forward

Your Bank continues to be strong on all major financial parameters as is evident in its consistent performance over the years with a state-of-the-art technology platform to meet the customers' aspirations. The 18.25 million strong customer base with a committed team force stands testimony to this.

Going forward into 2012-13, assuming a normal monsoon, agricultural growth could stay close to the trend level. Industry is expected to perform better than in last year as leading indicators of industry suggest a turnaround in IIP growth. The global outlook as well as the domestic growth outlook for 2012-13 looks better than in 2011-12. Accordingly, the baseline GDP growth for 2012-13 is

संभावना है। तदनुसार 2012–13 के लिए आधारभूत जीडीपी विकास 7.3% रहने का पूर्वानुमान है। भविष्य में मुद्रास्फीति परिदृश्य चुनौतीपूर्ण रहेगा।

वर्ष 2012–13 के प्रति बैंक आशावान है। हमें जमाराशियों में 17.8% की और अग्रिमों में 16.6% की वृद्धि (कुल कारोबार में 17.3% वृद्धि) का अनुमान है। इसके लिए हमारी योजना 2012–13 के दौरान 175 से अधिक नई शाखाएं खोलने की हैं। बैंक वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान प्रमुखतया रिटेल डिपोजिट एवं रिटेल अग्रिमों पर विशेष ध्यान देगा।

ग्राहक सेवा में नवोन्मेष सुविधाएं बढ़ाने के लिए बैंक ने विभिन्न डिलीवरी चैनल तथा कई ऑनलाइन सेवाएं आरंभ की हैं जिनसे सेवा डिलीवरी समय पर होने के साथ–साथ कुशल, प्रभावी तथा त्रुटि रहित हुई है।

वर्ष 2011–12 के दौरान 311 विशेषज्ञ अधिकारियों सहित 2249 कर्मियों की नियुक्ति की गई। बैंक की योजना 2012–13 के दौरान लगभग 1100 कर्मचारियों को भर्ती करने की है। विभिन्न संवर्गों में कार्मिकों की भर्ती, निरंतर प्रशिक्षण जैसे नवोन्मेष उपायों से पुष्ट ओबीसी टीम अपने ग्राहकों की सेवा में प्रतिबद्ध है।

यह उल्लेखनीय है कि वर्ष के दौरान नए बायोमीट्रिक एटीएम लगाकर, नए बायोमीट्रिक कार्ड जारी करके, नो फ्रिल खातों के लिए ग्राहकों को नामांकित करके, अतिरिक्त गांवों को अंगीकार करके, कारोबार प्रतिनिधियों की नियुक्ति करने एवं नए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)/ संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) बनाकर वित्तीय समावेशन पर विशेष ध्यान दिया गया।

बैंक के सर्वोच्च प्रबंध वर्ग का अंतिम लक्ष्य है : हमारे चार प्रमुख मानकों अर्थात् सुदृढ़ कासा, रिटेल मीयादी जमा राशियों, वैविध्यपूर्ण अग्रिम पार्टफोलियो, मजबूत निवल ब्याज मार्जिन तथा कड़े एनपीए प्रबंधन द्वारा बैंक को अधिक स्थिर व विकासोन्मुख बनाना। नए प्रस्तावित कारपोरेट नवोन्मेष का उद्देश्य कॉरपोरेट तथा डिलीवरी स्तरों पर दक्षता/क्षमता को बढ़ाते हुए मूल कारोबार को बढ़ाना है।

निदेशक मंडल की ओर से और मैं अपनी ओर से सभी शेयरधारकों द्वारा प्रबंध वर्ग के प्रति दर्शाए गए उनके विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ । हमारे विचार से बैंक की सफलता हमारे पण्यधारकों द्वारा बैंक के मूल सिद्धांत स्वीकार करने, ग्राहक सेवा की उत्कट भावना तथा नेताओं की विश्वसनीयता में निहित है। मैं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की समर्पण भावना तथा हमारे निष्ठावान ग्राहकों द्वारा दिए गए सतत् सहयोग व संरक्षण के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ । मैं वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का, उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

(एस एल बंसल)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

projected at 7.3%. Going forward, the inflation scenario remains challenging.

For the year 2012-13, the Bank is looking optimistically. We estimate a growth of 17.8% in deposits & 16.6% in advances (total business growth of 17.3%). Towards this, we have planned to add more than 175 branches during 2012-13.The Bank proposes to focus mainly on retail deposits & retail advances during FY 2012-13.

Taking forward the innovation in customer service, the bank has introduced various delivery channels and a number of on line services which makes service delivery efficient, effective and error free besides being timely.

2249 personnel including 311 Specialist Officers have been recruited during 2011-12. The Bank plans to recruit around 1100 employees during 2012-13. Recruitment of personnel at different cadres and continuous training are some initiatives directed towards building the Team OBC in the service to its customers.

More importantly, a special focus is being laid on Financial Inclusion by way of installation of biometric ATMs, issuing fresh Biometric Cards, enrolling customers under No-Frill Accounts, adopting more villages, appointing Business Correspondents and forming new Self Help Groups (SHGs)/Joint Liability Groups (JLGs) during the year.

The ultimate objective of the Top Management of the Bank is to equip the Bank with more stability and growth orientation through four key parameters i.e. Healthy CASA, Retail term deposits, Well diversified Advances portfolio, Strong NIM and Stringent NPA Management. The proposed new Corporate initiatives aim at increasing the efficiency/capacity at Corporate and delivery levels, resulting in thrust to Core business.

On behalf of the Board of Directors and on my own behalf, I take this opportunity to express my sincere thanks and gratitude to all the Shareholders of the Bank for reposing their faith in the Management. We understand that the success of the Bank lies in attaining the acceptance of our stakeholders about the Bank's core values, passion for customer service and credibility of leaders. I also thank every employee of the Bank for their dedication and our loyal customers for their continued support and patronage. My sincere thanks to the Ministry of Finance, Government of India and the Reserve Bank of India for their continued guidance and support.

(S. L BANSAL)

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री एस. एल. बंसल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Sh. S. L. Bansal
Chairman & Managing Director

श्री एस.सी.सिन्हा
कार्यकारी निदेशक
Sh. S.C. Sinha
Executive Director

श्री वी. कण्णन
कार्यकारी निदेशक
Sh. V. Kannan
Executive Director

श्रीमती श्रेया गुहा
Smt. Sreya Guha

श्री बी. श्रीनिवास
Sh. B. Srinivas

श्री के. एच. पाण्डेय
Sh. K.H. Pandey

श्री एस.एस. शिशौदिया
Sh. S.S. Shishodia

श्री सी. पी. सिंह
Sh. C.P. Singh

श्री के.एस. श्रीनिवासन
Sh. K.S. Sreenivasan

श्री टी. वल्लियप्पन
Sh. T. Valliappan

डॉ. आभा चतुर्वेदी
Dr. Abha Chaturvedi

श्री पी.बी. संथानाकृष्णन
Sh. P.B. Santhanakrishnan

शीर्ष प्रबंधक वर्ग / Top Management Team

श्री शील कुमार शर्मा
Sh. Sheel Kumar Sharma

श्री सी.एम. खुराना
Sh. C.M. Khurana

श्री अतुल गौतम
Sh. Atul Gautam

श्री वी.के. कम्बोज
Sh. V.K. Kamboj

श्री आर.एम. शर्मा
Sh. R.M. Sharma

श्री एस.के. शर्मा
Sh. S.K. Sharma

श्री जे.एम.ए. डेविड
Sh. J.M.A. David

श्री प्रदीप अग्रवाल
Sh. Pradeep Aggarwal

श्री एस.सी. शर्मा
Sh. S.C. Sharma

श्री के.सी. विजयवर्गी
Sh. K.C. Vijayvargi

श्री एस.एन. चोपड़ा
Sh. S.N. Chopra

श्री आर.एल. अग्रवाल
Sh. R.L. Aggarwal

श्री आर.के. टक्कर
Sh. R. K. Takkar

श्री रविन्द्र सिंह
Sh. Ravinder Singh

श्री वी.एन. सूर्यनारायण
Sh. V.N. Suryanarayanan

श्री के.के. सांसी
Sh. K.K. Sansi

श्री डी.एस. राठौर
Sh. D.S. Rathore

श्री वी.आर. अय्यर
Sh. V.R. Iyer

श्री सुनील के. कौशल
Sh. Sunil K. Koushal

श्री ए.के. जैन
Sh. A.K. Jain

श्री के.के. आचार्य
Sh. K.K. Acharya

एक नजर कार्यनिष्पादन पर
Performance at a glance

राशि (करोड़ रुपए में) Amount (Rs. in Crore)

वित्त वर्ष के अंत में For the Financial Year Ended	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
पूंजी एवं आरक्षित निधि/Capital and reserves	5775.90	7403.45	8237.95	11097.14	11942.50
कुल जमाराशियां/Total Deposits	77856.70	98368.85	120257.59	139054.26	155964.92
अग्रिम (निवल)/Advances (Net)	54565.83	68500.37	83489.30	95908.22	111977.69
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र/Priority Sector	18759.83	22315.07	29383.61	35650.71	40526.54
जिसमें से/of which:					
(i) कृषि/Agriculture	6930.05	8614.03	11267.51	12721.13	15411.10
(ii) लघु उद्योग/Small Scale Industries	5015.05	5576.33	10868.81	15844.45	17978.48
(iii) अन्य/Others	6814.73	8124.71	7247.29	7085.13	7136.96
कुल आस्तियां/देयताएं/Total Assets/Liabilities	90705.32	112582.59	137430.99	161343.37	178130.18
कुल आय/Total Income	7454.84	9927.79	11457.17	13047.89	17055.13
कुल व्यय/Total Expenditure	6613.90	9037.37	10322.49	11545.02	15913.57
बट्टे खाते डालने से पूर्व वर्ष का निवल लाभ Net profit for the year before write-off	840.94	890.42	1134.68	1502.87	1141.56
बट्टे खाते डालने के पश्चात् वर्ष का निवल लाभ* Net profit for the year after write-off*	353.22	890.42	1134.68	1502.87	1141.56
शाखाओं की संख्या (वास्तविक)/No. of Branches (in actuals)	1323	1401	1508	1620	1772
कर्मचारियों की संख्या (वास्तविक)/No. of Employees (in actuals)	14804	14656	15358	16618	18371

* पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक की हानि के 487.72 करोड़ रु. 2007–08 में बट्टे खाते डाले गए।

* Erstwhile Global Trust Bank's Losses amounting to Rs. 487.72 crore written-off in 2007-08.

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय : हर्ष भवन, ई-ब्लॉक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं 5, सैक्टर-32, इंस्टीट्यूशनल एरिया, गुड़गांव-122001

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के शेयरधारकों की 18वीं वार्षिक आम बैठक **बुधवार, 13 जून, 2012 को** प्रातः 10.00 बजे, पीएचडी चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री,पीएचडी हाउस, 4/2,सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया,अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली-110016 में आयोजित होगी, जिसमें निम्नलिखित कार्य किए जाएंगे :-

मद संख्या 1. बैंक के 31 मार्च, 2012 के तुलनपत्र तथा 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा, लेखों में ली गई अवधि हेतु बैंक के कार्यचालन और कार्यकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलनपत्र एवं लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना, अनुमोदन करना तथा इन्हें अपनाना ।

मद संख्या 2. वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु इक्विटी शेयरों पर लाभांश घोषित करना ।

गुड़गांव
30 अप्रैल, 2012

ए.के. जैन
महाप्रबंधक

ORIENTAL BANK OF COMMERCE

(A Govt. of India Undertaking)

Head Office : Harsha Bhawan, E-Block, Connaught Place, New Delhi- 110001

Corporate Office : Plot No. 5, Sector-32, Institutional Area, Gurgaon-122001

NOTICE

Notice is hereby given that the 18th Annual General Meeting of the shareholders of Oriental Bank of Commerce will be held on Wednesday, 13th June 2012 at 10.00 a.m at PHD Chamber of Commerce and Industry, PHD House, 4/2, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi – 110016, to transact the following business:

Item No.1: To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2012, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2012, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Report on the Balance Sheet and Accounts.

Item No. 2: To declare dividend on equity shares for the financial year 2011-2012.

Gurgaon
30th April 2012

A.K. JAIN
General Manager

टिप्पणियां

मतदान के अधिकार

बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन तथा अंतरण) अधिनियम 1980 की धारा 3(2ई) के प्रावधानों के अनुसार केन्द्र सरकार से भिन्न बैंक का कोई भी शेयरधारक, अपने पास रखे गए बैंक के सभी शेयरधारकों के कुल मतदान के अधिकार के 1% से अधिक शेयरों के संबंध में मतदान के अधिकार का प्रयोग करने का पात्र नहीं होगा।

प्रॉक्सी की नियुक्ति

इस बैठक में भाग लेने और मत देने का हकदार शेयरधारक बैंक की इस बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी नियुक्त कर सकता है और ऐसे प्रॉक्सी का बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है ।

तथापि, इस प्रकार से नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का अधिकार नहीं होगा।

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा।

प्रॉक्सी को प्रभावी बनाने हेतु प्रॉक्सी फार्म 8 जून, 2012 को बैंक के कार्य घंटे समाप्त होने से पहले बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए।

सदस्यों का रजिस्टर बन्द होना

शेयरधारकों का रजिस्टर तथा शेयर अंतरण बही 6 जून, 2012 से 13 जून, 2012 (दोनों दिन शामिल) तक बन्द रहेंगी।

लाभांश का भुगतान

मंडल द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार निश्चित लाभांश यदि वार्षिक आम बैठक में घोषित किया जाएगा तो उसका भुगतान उन सदस्यों को 12.07.2012 को, जिनके नाम 5 जून, 2012 को (डी मैट के माध्यम से) बैंक के सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज हों या जिन्होंने उस तिथि तक अंतरण हेतु अपने शेयर (मूर्त) जमा करा दिए हों।

ऐसे शेयरधारकों को लाभांश वारंट बैंक द्वारा शेयर हस्तांतरण एजेंट अर्थात् मै0 एमसीएस लिमिटेड के माध्यम से एनइसीएस अथवा अन्य अनुमोदित इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से 12.07.2012 को भेज दिए जाएंगे या लाभांश राशि जमा कर दी जाएगी ।

लाभांश वारंट में बैंक लेखे का विवरण/राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (एनईसीएस)

सेबी ने बैंकों सहित सभी सूचीबद्ध कम्पनियों के लिए लाभांश वारंट वितरित करते समय लाभांश वारंट में शेयरधारक द्वारा दिए गए बैंक खाते का विवरण लिखना तथा जहां उपलब्ध हो, इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (एनईसीएस) सुविधा का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार शेयरधारकों के बैंक खाते में सीधे क्रेडिट एनईसीएस के माध्यम से किया जाएगा । एन ई सी एस सुविधा उपलब्ध है, बशर्ते शेयरधारक का खाता कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) बैंक की शाखा में हों (आपके बैंक की सभी शाखाएं सीबीएस में हों) तथा लाभग्राही स्वामी का ई-क्रेडिट अधिदेश उसकी डीपी सहित दर्ज कराया गया हो तथा मूर्त रूप से शेयर रखने वाले शेयर धारकों द्वारा अपना ई-क्रेडिट अधिदेश आर टी ए में दर्ज कराया हो।

जिन शेयरधारकों के पास शेयर मूर्त रूप में हों, वे अपने बैंक अधिदेश संबंधी विवरण बैंक के निवेशक सेवा विभाग अथवा हमारे शेयर हस्तांतरण एजेंट

NOTES

VOTING RIGHTS

In terms of provisions of Section 3 (2E) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 no shareholder of the Bank other than Central Government shall be entitled to exercise voting rights in respect of the shares held by him in excess of one percent of the total voting rights of all the shareholders of the Bank.

APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK.

However, the proxy so appointed shall not have any right to speak at the Meeting.

No person shall be appointed as a proxy who is an officer or an employee of Oriental Bank of Commerce.

The proxy form in order to be effective, must be received at the Corporate Office of the Bank before the closing hours of the Bank on 8th June, 2012.

CLOSURE OF REGISTER OF MEMBERS

The Register of Shareholders and Share Transfer Books will remain closed from 6th June 2012 to 13th June 2012 (Both days inclusive).

PAYMENT OF DIVIDEND

The dividend, as proposed by the Board, if declared at the Annual General Meeting, will be paid on 12.07.2012 to those shareholders who stand registered on the Bank's Register of Members on 5th June 2012 (through demat) or have submitted shares for transfer (physical) by that date.

The dividend warrants to such shareholders would be mailed or dividend amount will be credited through NECS or other approved electronic mode by the Bank through the Share Transfer Agent, viz., M/s MCS Limited, on 12.07.2012.

DETAILS OF BANK ACCOUNT IN DIVIDEND WARRANT/ NATIONAL ELECTRONIC CLEARING SERVICE (NECS)

SEBI has made it mandatory for all the listed companies, including banks, to mention in the dividend warrant, the Bank Account details furnished by the shareholders, while distributing dividends as well as to use the National Electronic Clearing Service (NECS) facility. Direct credit to the bank account of the shareholder is done through NECS as specified by the Reserve Bank of India. NECS facility is available provided the account of shareholder is with Core Banking Solution (CBS) Branch of Bank (All Branches of your Bank are in CBS) and the beneficial owners have got E-credit mandate recorded with their DP and shareholders holding shares in physical form have got E-credit mandate recorded with RTA.

The shareholders who are holding the shares in physical form may send their Bank Mandate details (form enclosed) to Investor

मै0 एमसीएस लिमिटेड, नई दिल्ली को रिकार्ड में आवश्यक संशोधन करने हेतु भेज सकते हैं । जिन शेयरधारकों के पास अमूर्त रूप में शेयर हैं वे इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु अपनी निक्षेपागार संस्था से संपर्क कर सकते हैं ।

अदावाकृत लाभांश, यदि कोई हो

बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की नई धारा 10बी के अनुसार, सात वर्ष की अवधि तक अप्रदत्त अथवा अदावाकृत लाभांश की राशि को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 ग के तहत केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) में अंतरित किया जाना अपेक्षित है और तत्पश्चात् भुगतान का कोई दावा बैंक को अथवा आईईपीएफ को नहीं किया जा सकेगा।

जिन शेयर धारकों ने पिछले किसी वर्ष के लाभांश वारंट न तो भुनाए हैं और न प्राप्त किए हैं, जो अभी तक आईईपीएफ को अंतरित नहीं किए गए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे डुप्लीकेट वारंट जारी करने के लिए बैंक के शेयर हस्तांतरण एजेंट से संपर्क करें ।

शेयरधारकों को असुविधा न हो, इसके लिए बैंक ने 50000.00 रु. तक के डुप्लीकेट लाभांश पत्र के लिए क्षतिपूर्ति बंधपत्र की आवश्यकता समाप्त कर दी है, जिसके लिए शेयरधारक आवेदन कर सकते हैं।

स्रोत पर कर की कटौती

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115–ओ के अंतर्गत शेयरधारकों को दिए गए लाभांश में से स्रोत पर किसी प्रकार के कर की कटौती नहीं की जाएगी ।

लेखों संबंधी सूचना

लेखों के संबंध में किसी प्रकार की सूचना चाहने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे इस संबंध में वार्षिक आम बैठक से कम से कम सात दिन पहले बैंक को लिखें ताकि बैंक संबंधित सूचना तैयार रख सके।

उपस्थिति पर्ची

सदस्य/प्रॉक्सी इसके साथ भेजी जा रही उपस्थिति पर्ची पूरी तरह भरकर बैठक स्थल पर लाएं । प्रवेश के समय पर आपको प्रवेश पास दिया जाएगा, जिसे बैठक समाप्त होने तक अपने पास रखें ।

अन्य सूचना

शेयरधारक कृपया नोट करें कि बैठक में कोई उपहार / उपहार कूपन नहीं बांटे जाएंगे।

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बैठक में वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति तथा वैध फोटो पहचान पत्र साथ लाएं।

कड़े सुरक्षा कारणों से ऑडिटोरियम के अंदर ब्रीफकेस, खाद्य पदार्थ तथा अन्य सामान ले जाने की अनुमति नहीं है । अतः बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वे अपने सामान की सुरक्षा हेतु अपनी व्यवस्था स्वयं करें ।

Services Department of the Bank or to our Share Transfer Agent M/s MCS Ltd., New Delhi, for necessary updation of the records. The shareholders who are holding the shares in demat form, may approach their Depository Participant for necessary action in this connection.

UNCLAIMED DIVIDEND IF ANY

As per the new Section 10B of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980, the amount of dividend remaining unpaid or unclaimed for a period of seven years is required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established by the Central Govt. under Section 205C of the Companies Act, 1956, and thereafter no claim for payment shall lie in respect thereof either to the Bank or to the IEPF.

The shareholders who have neither encashed nor received the dividend warrants for any of the previous years, which are not yet transferred to the IEPF, are requested to contact the Share Transfer Agent of the Bank for issue of duplicate dividend warrant.

In order to avoid inconvenience to the shareholders, the Bank has waived the requirement of Indemnity Bond for duplicate dividend warrant upto Rs.50,000.00, for which shareholder may lodge application.

DEDUCTION OF TAX AT SOURCE

Under Section 115-O of the Income Tax Act, 1961, no tax will be deducted at source in respect of dividend paid to the shareholders.

INFORMATION ON ACCOUNTS

Shareholders seeking any information with regard to accounts are requested to write to the Bank at least seven days in advance of the Annual General Meeting so as to enable the Bank to keep the information ready.

ATTENDANCE SLIP

The members/proxies should bring the Attendance Slip, sent herewith, duly completed at the venue. On admission, an entry pass will be given which should be kept till end of the meeting.

OTHER INFORMATION:

Shareholders may kindly note that no gift/gift coupon will be distributed at the meeting

Shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report and valid photo identity card to the meeting.

Due to strict security reasons brief cases, eatables and other belongings are not allowed inside the Auditorium. Persons attending the meeting are therefore advised to make their own arrangements for safe keeping of their articles.

निदेशकों की रिपोर्ट

निदेशक मण्डल 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष हेतु लेखापरीक्षित तुलनपत्र और लाभ एवं हानि लेखा सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

1. कारोबार परिचालन

बैंक का कुल कारोबार पिछले वर्ष के 235893.16 करोड़ रूपए की तुलना में 31 मार्च, 2012 को 269014.73 करोड़ रूपए तक पहुंच गया । बैंक की कुल जमाराशियां 155964.92 करोड़ रूपए रहीं, जिनमें 12.16% वृद्धि दर दर्ज करते हुए 16910.66 करोड़ रूपए की वृद्धि हुई । जमा लागत वित्तीय वर्ष 2010–11 के 6.03% के मुकाबले 7.69% रही । यद्यपि बढ़ती हुई ब्याज दरों को ध्यान में रखते हुए बैंक ने सावधानी बरतते हुए पिछले वर्ष जमाराशियां प्राप्त करने के लिए विशेष योजनाएं आरंभ की फिर भी इसने जमा लागत पर विपरीत प्रभाव डाला और यह 31.3.2011 को समाप्त वर्ष के 6.03% के मुकाबले 31.3.2012 को समाप्त वर्ष में बढ़कर 7.69% हो गई । बैंक ने वर्ष के दौरान उच्च लागत वाली बल्क जमाराशियां लेने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया। उपरोक्त के परिणामस्वरूप बल्क जमाराशियों का अनुपात वर्ष 31.03.2011 के 34.26% की तुलना में घटकर 31.03.2012 में 27.56% हो गया । दूसरी ओर मार्च, 2012 के अंत में निवल अग्रिम 16.76% की वृद्धि दर्ज करते हुए 111977.69 करोड़ रुपए रहे। राजकोषीय वर्ष 2011–12 के दौरान अग्रिमों पर आय पिछले वर्ष के 10.52% से बढ़कर 12.16% हो गई । बैंक द्वारा अग्रिमों पर आय बढ़ाने के लिए एसएमई, मध्यम कारपोरेट तथा रिटेल क्षेत्र को ऋण देने के साथ–साथ ब्याज की आधार दर लागू किए जाने के उपाय करने से अग्रिमों पर आय में सुधार हुआ ।

बैंक का ऋण जमा अनुपात मार्च, 2012 के अंत में 72.68% रहा । बैंक ने अर्थव्यवस्था के उत्पादनपरक क्षेत्रों को उपयुक्त एवं पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित किया। बैंक का ऋण एवं अग्रिम संविभाग सुविस्तृत और संतुलित है ।

2. पूंजी और आरक्षित निधि

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक ने 2011–12 के लाभ में से 873.98 करोड़ रुपए आरक्षित निधियों (इसमें 286.00 करोड़ रुपए सांविधिक आरक्षित निधि 565.00 करोड़ रुपए राजस्व तथा अन्य आरक्षित निधि, 6.98 करोड़ रूपए पूंजी आरक्षित निधि) में अंतरित किए गए। इससे 31 मार्च, 2012 को बैंक की पूंजी एवं आरक्षित निधियां मार्च, 2011 के 11097.14 करोड़ रुपए से बढ़कर 11942.50 करोड़ रुपए हो गईं तथा औसत कार्यशील निधि की तुलना में पूंजी एवं आरक्षित निधि का अनुपात 31.03.2012 को 7.00% रहा जबकि 31 मार्च, 2011 को यह 7.62% था ।

3. पूंजी पर्याप्तता अनुपात

31 मार्च, 2012 को बासेल–।। के अंतर्गत बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31 मार्च, 2011 के 12.69% की तुलना में 14.23% रहा। यह 9.0% की न्यूनतम नियामक अपेक्षा से काफी अधिक है ।

4. वित्तीय कार्यनिष्पादन

राजकोषीय वर्ष 2011–12 के दौरान बैंक की कुल आय पिछले वर्ष की 13047.89 करोड़ रुपए की तुलना में 17055.13 करोड़ रुपए रही और इसमें 4007.24 करोड़ रुपए की वृद्धि (30.71% की वृद्धि) हुई । बैंक का परिचालन लाभ 3.22% की मामूली गिरावट दर्ज करता हुआ पिछले वर्ष के 3245.14 करोड़ रुपए की तुलना में घटकर 3140.58 करोड़ रुपए हो गया। राजकोषीय वर्ष 2011–12 के दौरान सभी अपेक्षित प्रावधान करने के बाद बैंक का निवल लाभ 361.31 करोड़ रुपए अर्थात् 24.04% की गिरावट दर्ज करते हुए 1141.56 करोड़ रुपए रहा ।

निवल लाभ में से विनियोजन अगले पृष्ठ पर दी गई तालिका के अनुसार किया गया है :

DIRECTOR'S REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting this Annual Report together with the Audited balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2012.

1. BUSINESS OPERATIONS

The Business of the Bank stood at Rs. 269014.73 crore on 31st March 2012 as against Rs. 235893.16 crores in the previous year. Total deposits of the Bank stood at Rs. 155964.92 crore and have shown an increase of Rs. 16910.66 crore depicting a growth of 12.16%. Cost of deposit stood at 7.69% as against 6.03% for financial year 2010-11. With the increasing interest rate regime, though the bank has cautiously introduced special schemes to procure deposits during the last year, still it has adversely impacted the cost of deposit which for the year ended 31.03.2012 has increased to 7.69% from 6.03% for the year ended 31.03.2011.However, the Bank has cautiously procured high cost bulk deposits during the year. As a result of the above, the ratio of bulk deposits has decreased from 34.26% as on 31.03.2011 to 27.56% as on 31.03.2012. On the other hand, net advances as at end-March 2012 stood at Rs. 111977.69 crore, registering a growth of Rs. 16.76%. During the fiscal 2011-12, yield on advances has increased to 12.16% from previous year's level of 10.52%. The measures taken up by the bank to improve yield on advances through lending to SME, Mid Corporate and Retail sector has enabled the bank to improve the yield on advances.

The credit deposit ratio of the Bank, as at end-March 2012, stood at 72.68%. The Bank ensured adequate flow of credit to the productive sectors of the economy. The Loans & Advances portfolio of the bank is well diversified and balanced.

2. CAPITAL & RESERVES

During the year, the bank transferred a sum of Rs.873.98 crore to Reserves (which includes Rs. 286.00 crore transferred to Statutory Reserves, Rs. 565.00 crore to Revenue and Other Reserves and Rs.6.98 crore to Capital Reserve) out of the profit for the year 2011-12. With this, capital & reserves as on March 31, 2012 have gone upto Rs.11942.50 crore as against Rs. 11097.14 crore as at end March 2011 and the ratio of Capital & Reserves to average working funds stood at 7.00% as on 31.03.2012 as against 7.62% as on 31st March 2011.

3. CAPITAL ADEQUACY RATIO

As on March 31. 2012 the Capital Adequacy Ratio of the Bank under Basel –II stood at 12.69% as against 14.23% as on 31st March, 2011. This is well above the regulatory minimum requirement of 9.00%.

4. FINANCIAL PERFORMANCE

The Bank has posted a total income of Rs. 17055.13 crore during the year as against Rs. 13047.89 crore last year thus registering an increase of Rs. 4007.24 crore (a growth of 30.71% during the fiscal 2011-12. Operating Profit of the Bank has decreased to Rs. 3140.58 crore as against Rs 3245.14 crore last year showing a marginal decline of 3.22% The Bank has earned a net profit of Rs. 1141.56 crore, after making all requisite provisions showing a decrease of Rs. 361.31 crore showing a decline of 24.04% during the fiscal 2011-12.

Financial performance including appropriation from the Net Profit is given on next page:-